Socilogy Defination Nature and Scope

'समाजशास्त्र' शाब्दिक दृष्टि से दो शब्दों से मिलकर बना है। 'Sociology' जिसमें पहला शब्द 'Socious' जो 'लैटिन' शब्द से बना है और दूसरा शब्द 'Logos' (लोगस) जो ग्रीक शब्द से मिलकर बना है। इस प्रकार समाजशास्त्र का शाब्दिक अर्थ समाजशास्त्र या 'समाज का विज्ञान' या समाज 'का विज्ञान'।

समाजशास्त्र समाज का विज्ञान या या शास्त्र है। इसके द्वारा समाज या सामाजिक जीवन का अध्ययन किया जाता है इस नवीन विज्ञान को जन्म देने का श्रेय 'फ्रांस' के प्रसिद्ध विद्वान 'आगस्त काम्ट' को जाता है। सर्वप्रथम सन् '1838' में नवीन शास्त्र को समाजशास्त्र का नाम दिया गया। इसी कारण इन्हें समाजशास्त्र का जनक कहा जाता है। (father of sociology) समाजशास्त्र के प्रारंभिक लेखकों में काम्ट के अलावे 'दुर्खीम', 'स्पेनसर', 'मैक्स वेबर' आदि के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इन सभी विद्वानों के विचारों का समाजशास्त्र के विकास में काफी योगदान रहा है।

विभिन्न समाजशास्त्रियों के दृष्टिकोण में विभिन्नता को देखते हुए समाजशास्त्रियों के परिभाषाओं को निम्न चार भागों में बांटा गया है :—

1. समाजशास्त्र के अध्ययन के रूप में :— कुछ समाजशास्त्री उदा :- 'गिडिन्स, वार्ड' आदि समाजशास्त्र का एक ऐसा विज्ञान है के रूप में परिभाषित करते है जिसमें सम्पूर्ण समाज एक समग्र इकाई है।

'वार्ड' के अनुसार "यह समाज का अथवा सामाजिक विज्ञान घटनाओं का विज्ञान है"।

'गिडिन्स' के अनुसार "समाजशास्त्र समाज का वैज्ञानिक अध्ययन है"।

2. समाजशास्त्र सामाजिक संबंधों के अध्ययन के रूप में :- समाज के विज्ञान और सामाजिक संबंधों के अध्ययन में कोई विशिष्ट अंतर नहीं है। सामाजिक संबंधों के विज्ञान के रूप में मानने वाले विद्वान हैं 'मैकाइवर' एवं 'पेज' के अनुसार "समाजशास्त्र सामाजिक संबंधों के विषय में है संबंधों के इसी जाल को हम समाज कहते हैं"। 'मैक्स वेबर' के अनुसार समाजशास्त्र वह विज्ञान है जो सामाजिक क्रिया का अर्थपूर्ण बोध कराने का प्रयत्न करता है।

3. समाजशास्त्र समूहों के अध्ययन के रूप में :- समाजशास्त्र समूहों के अध्ययन से समाज के हर पहलुओं की जानकारी नहीं हो पाती है। इसी लिए समाजशास्त्री को सामाजिक समूहों में लोगों को वैज्ञानिक और व्यवस्थित अध्ययन करना चाहिए। जैसे - परिवार, नातेदारी समूह, धार्मिक समूह व्यवसायिक समूह आदि।
'यंग' के अनुसार "समाजशास्त्र समूहों में मनुष्यों के व्यवहार का अध्ययन करता है"।
'जॉनसन' के अनुसार "समाजशास्त्र समूहों में लोगों का वैज्ञानिक और व्यवस्थित अध्ययन है"।

4. समाजशास्त्र सामाजिक अंतः क्रियाओं के रूप में :- सामाजिक संबंध और सामाजिक समूह की तुलना में सामाजिक अंतः क्रिया समाज का है अंत क्रिया का अर्थ - "जब दो या दो से अधिक व्यक्ति एक दूसरे के व्यवहार में आते हैं और

Scanned with CamScanner

एक दूसरे के व्यवहार को प्रभावित करते हैं, तो इस व्यवस्था को सामाजिक अंत: क्रियाओं का विज्ञान कहा जाता है"।

'गिलिन' एवं 'गिलिन' के अनुसार "व्यापक-अर्थ में समाजशास्त्र ~~समान~~ व्यक्तियों के एक दूसरे के सम्पर्क आने के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाली अंत: क्रियाओं के अध्ययन को कहा जाता है"।

मैक्स वेबर के अनुसार "समाजशास्त्र वह विज्ञान है जो सामाजिक क्रियाओं का अर्थपूर्ण बोध कराने का प्रत्यन करता है"।

उपरोक्त सभी परिभाषाओं के विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि समाजशास्त्र संपूर्ण समाज का एक समग्र इकाई के रूप अध्ययन करने वाला विज्ञान है। इसमें सामाजिक संबंधों, सामाजिक अंत: क्रियाओं एवं सामाजिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाता है।

12 July

प्रकृति (Nature)

समाजशास्त्र की प्रकृति को समझने के लिए जो मतभेदपूर्ण प्रश्न रहा है कि समाजशास्त्र 'विज्ञान' है या नहीं? कुछ समाजशास्त्री जैसे- आगस्त कॉम्ट, दुर्खीम, मैक्स वेबर तथा पेरेटो आदि विद्वानों ने आरंभ से ही समाजशास्त्र को विज्ञान के रूप प्रतिष्ठित करने का प्रकृति के संबंध में विवाद पाया गया है वास्तव में विज्ञान मानना एक प्रतिष्ठा का सूचक है इसे स्पष्ट करने के लिए यह आवश्यक है कि विज्ञान शब्द को समझ लिया जाए। विज्ञान अपने आप में विज्ञान नहीं है बल्कि वैज्ञानिक पद्धति के द्वारा प्राप्त किया गया व्यवस्थित ज्ञान ही विज्ञान है यदि किसी भी विषय का वैज्ञानिक के द्वारा तथ्यों का संकलन (collection) तथा तथ्यों के

Scanned with CamScanner